May 2020

8 may 2020
Friday

B.Ed 2nd year
समावेशी शिक्षा
ई-लर्निंग तथा वेब आधारित अधिगम
में अन्तर :- अधिगम शिक्षा का मुख्य आधार है।
विशिष्ट एवं सामान्य छात्र को ज्ञान प्रदान करने के लिए विभिन्न विधियों को शिक्षक द्वारा अपनाया जाता है। इन विधियों में वेब आधारित अधिगम तथा ई-लर्निंग का वर्तमान समय में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। इन दोनों विधियों में यद्यपि सतही रूप से देखने पर कोई अन्तर नहीं लगता है। क्योंकि दोनों ही इलेक्ट्रॉनिक रूप से ज्ञान प्राप्त करने के माध्यम हैं, परन्तु दोनों में पर्याप्त अन्तर है।

कुछ लोग यद्यपि वेब आधारित अधिगम तथा ई-लर्निंग को एक दूसरे के पर्याय के रूप में प्रयोग करते हैं। जो एक भ्रम पैदा करता है।

1 ⇒ वेब आधारित शिक्षा जहाँ छात्रों को वृहद स्तर पर सेवाओं को उपलब्ध कराती है, वहीं ई-लर्निंग वेब आधारित शिक्षा के अन्तर्गत ही आती है।

2 ⇒ एक ओर जहाँ ई-लर्निंग कम्पनियाँ तथा ई-लर्निंग के अन्य प्रदाता मुख्य रूप से अधिगम सामग्री पर अपना ध्यान केन्द्रित किए हुए हैं, वहीं दूसरी ओर शैक्षिक संस्थान वेब आधारित शिक्षा को संगठित कर सम्पूर्ण शैक्षिक सेवाओं में अपनी रुचि तथा समर्थन प्रदान कर रहे हैं।

वेब आधारित अधिगम के लाभ

⇒ शिक्षार्थियों की गतिविधियों का प्रबन्धन करना।
⇒ अधिगम सामग्री दुनिया भर में उपलब्ध कराना।
⇒ सम्प्रेषण को भविष्य के लिए संरक्षित करना।
⇒ अधिगम को सभी के लिए सुविधाजनक बनाना।
⇒ ज्ञान के निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी।

वेब आधारित अधिगम की हानियाँ

⇒ धीमी गति एवं गुणवत्ता पूर्ण सामग्री का अभाव।
⇒ विशिष्ट एवं सामान्य छात्र के अन्दर निराशा।
⇒ शिक्षकों एवं छात्रों के मध्य अलगाव की स्थिति।
⇒ गलत वेबसाइटों को खोलना।
⇒ विशिष्ट एवं सामान्य छात्रों को प्रशिक्षण न देना।

B.R.C. Deoband
Assis Pro - Sapna Tyagi
08/05/2020